

ZÚME सत्र 9 का वीडियो स्क्रिप्टस्

दो कलीसियायों के भाग

इस सत्र में, हम सीखेंगे यीशु के शिष्य का बढ़ना और विश्वासयोग्य होना आत्मिक परिवार को बढ़ते हुए विश्वासीयों का शहर बनने में सहायता करने के लिए दो चर्च का भाग बन सकते हैं। परमेश्वर के वचन में—हम सीखते हैं कि हमारे लिए उनकी सिद्ध योजना है कि हम एक आत्मिक परिवार के रूप में जीएँ। बाईबल इस परिवार को एक चर्च के रूप में बताती है जिसके तीन प्रकार हैं।

- सार्वभौमिक चर्च - सभी विश्वासीयों का इकट्ठा होना जो थे, जो हैं और जो होंगे।
- क्षेत्रीय या शहर चर्च - एक शहर में या देश के किसी भाग में विश्वासीयों का इकट्ठा होना।
- साधारण चर्च - विश्वासीयों का इकट्ठा होना जो एक छोटे समूह में मिलते हैं जैसे कि एक ईमारत में या घर में।

यह सबसे छोटा समूह - यानि शक्तिशाली चर्च एक आत्मिक परिवार है जो साथ जीवन जीता है और जब परिवार महिनो या सालों तक मिलकर साथ काम कर पायें यह सर्वश्रेष्ठ रीति से काम करता है।

यीशु ने अपने शिष्यों को निर्देश दिया कि लगातार नये आत्मिक परिवारों की शुरुवात करनी चाहिये और उन्हें बढ़ाना चाहिये ताकि वे यीशु के जैसे बनें, और उन्हें यह सिखाना है कि नये आत्मिक परिवार की शुरुवात कैसे की जाए।

यीशु ने हमसे कहा है - सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। तो ये दो चीजें साथ में कैसे काम करती हैं—हम चर्च का एक भाग होकर एक और नया चर्च की शुरुवात करने की प्रक्रिया में कैसे जुड़ सकते हैं—वह भी एक ही समय में?

एक मौलिक चर्च की कल्पना किजिए—केवल चार परिवार। हर जोड़ा एक अलग पति-पत्नी को दर्शाता है जो अपना घर चलाते हैं। सभी पति-पत्नी एक चर्च का हिस्सा हैं - यह उनका आत्मिक परिवार है। इनके साथ वे जीवन बिताते हैं—भाई और बहन जो उन्हें प्रेम से भले कामों में उत्साहित करते हैं।

यें पति-पत्नी एक नये आत्मिक परिवार की शुरुवात करने के लिए भी काम करते हैं। जब नये आत्मिक परिवार की शुरुवात और वृद्धि होती है, तो वे अपने छोटे समूह परिवार की तरह हिस्सा नहीं लेते, बल्कि वे नमूना दिखाते हैं और सहायता करते हैं।

कल्पना किजिए—सिर्फ एक चर्च चार नये चर्च की शुरुवात करता है। परमेश्वर इस तरह से अपने परिवार को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस तरह से चर्च अपनी गति को बढ़ा सकता है। आरंभिक सत्र में हमने प्रशिक्षण शृंखला के बारे में सीखा—नमूना, सहायता करना, देखना और छोड़ना और हम जानते हैं कि ये पहले दो चरण—नमूना और सहायता करना जल्दी से किया जाना चाहिए—ताकि नये विश्वासी स्वस्थ रहें और अपने विश्वास में बढ़ें।

मुख्य चर्च और उन चार चर्च के साथ क्या होता है, जो उन्होंने शुरू किया है?

नमूना दिखाने और सहायता करके शुरुवात करने करने के बाद, ये पति-पत्नी (मुख्य चर्च) पहले ही नये चर्च (पहली पीढ़ी) की मदद कर चुके हैं, ताकि वे इसे दोहराएं (दूसरी पीढ़ी के लिए)।

इन नये चार चर्च के लिए (पहली पीढ़ी), हमारे पति-पत्नी (मुख्य चर्च) अब निगरानी रखते हैं—इन नये चर्च

(पहली पीढ़ी) की उन्नति को देखते और सीखाते हुए - जब वे नये चर्च (दूसरी पीढ़ी) को नमूना दिखाते और उनकी सहायता करते हैं।

बहुत से लोग एक से ज्यादा आत्मिक परिवार को नमूना दिखाना और मदद करना नहीं कर सकते। किंतु वे उनके बढ़ने में बहुत से चर्च की निगरानी कर सकते हैं और उन्हें सिखा सकते हैं और अनुभवी लोगों से जुड़ने में उनकी मदद कर सकते हैं।

इसका अर्थ है एक आत्मिक परिवार यानि एक छोटे समूह वाला चर्च एक ही समय में बहुत से छोटे-छोटे समूह चर्च की शुरुवात करने का हिस्सा बन सकता है। यह बहुत अधिक फल है।

सभी चर्च के साथ क्या होता है - जब वे बढ़ते हैं और नये चर्च की शुरुवात करते हैं, फिर एक और नये चर्च की शुरुवात करते हैं? वे कैसे जुड़े रहते हैं? और एक बड़े आत्मिक परिवार के रूप में कैसे जीवन बिताते हैं?

इसका जवाब है ये साधारण चर्च शरीर में कोशिकाओं की तरह बढ़ते हैं और एक साथ जुड़ते हैं और शहर या क्षेत्रीय चर्च में नेटवर्क बनाते हैं।

चर्च एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। उनमें एक जैसा आत्मिक डी.एन.ए होता है। ये सभी बढ़नेवाले प्रथम परिवार से जुड़े रहते हैं।

अब वे -थोड़ा मार्गदर्शन के साथ -और ज्यादा करने के लिए एक बड़े शरीर के रूप में एकसाथ आते हैं।